कोरोना विश्व युद्ध के बाद सबसे बड़ी चुनौती: गुतारेस

महासंकट

ऐसी मंदी आएगी कि इतिहास में उसकी कोई मिसाल नहीं

50 लाख से लेकर ढाई करोड़ नौकरियां खत्म हो जाएंगी

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

संयुक्त राष्ट्र। संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंतोनियो गुतारेस ने कोरोना वायरस को द्वितीय विश्व युद्ध के बाद सबसे बड़ी चुनौती करार दिया है। उन्होंने कहा है कि यह महामारी न केवल लोगों की जान ले रही है बल्कि आर्थिक मंदी की ओर भी ले जा रही है। उन्होंने कहा कि हालिया इतिहास में ऐसा भयानक संकट नहीं पैदा हुआ था। जान्स हॉपकिंस यूनिवर्सिटी के अनुमानों के अनुसार, दुनिया में कोरोना वायरस के 8,50,500 पुष्ट मामले सामने आए हैं और 41,000 से ज्यादा लोगों की मौत हो चुकी है। अमेरिका में अब दुनिया के सर्वाधिक 1,84,183 मामले हैं और यहां मरने वालों का आंकड़ा चार हजार को पार कर गया है। गुतारेस ने मंगलवार को 'साझी जिम्मेदारी, वैश्विक एकजुटतारू सामाजिक आर्थिक प्रतिक्रिया' विषय पर एक रिपोर्ट साझा करते हुए कहा, 'संयुक्त राष्ट्र के पिछले 75 सालों के इतिहास में ऐसा संकट पहले नहीं देखा गया। हम उसका सामना कर रहे हैं – ऐसा संकट जो लोगों की जान ले रहा है, इंसान को पीड़ा दे रहा है, लोगों की जिंदगी को दुरुह कर रहा है।'

गुतारेस ने इस रिपोर्ट को ऑनलाइन जारी करते हुए कहा कि मौजूदा महामारी स्वास्थ्य संकट से कहीं आगे की चीज है। एक सवाल के जवाब में उन्होंने कहा, 'यह भीषण वैश्विक संकट है क्योंकि यह एक संयोजन है, एक ओर एक बीमारी है जो पूरी दुनिया में हर किसी के लिए खतरा है और दूसरी ओर इसके आर्थिक प्रभाव हैं जिससे मंदी आएगी और ऐसी मंदी आएगी कि हालिया इतिहास में उसकी कोई मिसाल नहीं देखी गई होगी।'

हम इस संकट से उबर जाएंगे

संयुक्त राष्ट्र महासचिव ने कहा कि इस मानवीय संकट से निपटने के लिए 'विश्व की प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं की ओर से समन्वित, निर्णायक, समग्र और नवोन्मेषी नीतिगत कार्रवाई की जरूरत है। इसके लिए हमें गरीबों और अधिक संवेदनशील देशों के लोगों के लिए अधिकतम आर्थिक और तकनीकी समर्थन भी जुटाना होगा।'

उन्होंने कहा, 'इन दो तत्वों का मेल और यह तथ्य कि यह अस्थिरता, अशांति और संघर्षों को जन्म देगा ... इनसे हमें यह मानने को मजबूर होना पड़ रहा है कि वास्तव में यह दूसरे विश्व युद्ध के बाद से सबसे बड़ा संकट है। इसके लिए मजबूत और प्रभावी कदम उठाने की जरूरत है और इस प्रकार के कदम एकजुटता के साथ ही संभव हैं। यह तभी होगा जब हम सब एक साथ आएंगे, अपने राजनीतिक खेलों को भुलाकर एक साथ आएंगे और इस समझ के साथ एक साथ आएंगे कि आज मानवता दांव पर है।'

संयुक्त राष्ट्र अंतरराष्ट्रीय श्रम संगठन के अनुसार, इस महामारी के कारण 50 लाख से लेकर ढाई करोड़ नौकरियां खत्म हो जाएंगी और अमेरिका को श्रमिक आय के रूप में 960 अरब से लेकर 3.4 खरब डॉलर का नुकसान होगा। गुतारेस ने कहा , 'सही कदम उठाने से कोविड–19 महामारी एक नए किस्म के वैश्विक और सामाजिक सहयोग की शुरुआत में मील का पत्थर हो सकती है।

न्यूज डायरी

बंदियों के शव को खेत में खाद के रूप इस्तेमाल कर रहा उत्तर कोरिया

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) प्योंगयांग। उत्तर कोरिया का सनकी तानाशाह किम जोंग उन अक्सर अपनी अटपटी हरकतों के लिए दुनियाभर में चर्चा में बना रहता है। इस बीच किम जोंग के चंगुल से छूटी एक बंदी ने बेहद सनसनीखेज दावा किया है। बंदी ने कहा है कि उत्त्तर कोरिया में राजनीतिक बंदियों के शव को खेतों में खाद के रूप में इस्तेमाल किया जाता है ताकि अच्छी पैदावार हो। उत्तर कोरिया में बंदी रह चुकीं किम इल सून ने इस राक्षसी प्रवृत्ति के बारे में यह बड़ा खुलासा किया है। किम इल सून उत्त्तर कोरिया के केइचोन यातना शिविर में बंदी था। यह शिविर प्योंगयांग के उत्तर में स्थित है। उन्होंने बताया कि इस यातना शिविर की सुरक्षा में तैनात सुरक्षा गार्डों के लिए वहां पर खेती की जाती है। इन खेतों में ही राजनीतिक बंदियों के शव खाद के रूप में इस्तेमाल किए जाते हैं। किम इल सून ने बताया कि सुरक्षा गार्डों को यह तरीका बेहद सफल लगता है और वे इसे शिविर के चारों ओर स्थित पहाड़ी जमीन में आजमा रहे हैं।

प्रिंस हैरी, मेगन शाही परिवार की अग्रिम भूमिकाओं से औपचारिक रूप से अलग हुए

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) लंदन। ब्रिटेन के प्रिंस हैरी और उनकी पत्नी मेगन मर्केल ने मंगलवार को शाही परिवार की भूमिकाओं से स्वयं को औपचारिक रूप से अलग कर लिया। यह दंपति अमेरिका में बस गया है और आर्थिक रूप से स्वतंत्र है। हैरी और उनकी पत्नी ने इस साल की शुरुआत में शाही परिवार से अलग होने की घोषणा की थी। बर्मिंघम पैलेस के साथ हुए समझौते के तहत उनके पास 12 महीने का संक्रमण काल होगा। इस दौरान वे शाही परिवार की अग्रणी भूमिका में लौट सकते हैं। ड्यूक और डचेज ऑफ ससेक्स की ये पदवी कायम रहेगी लेकिन वे इनका सक्रिय रूप से इस्तेमाल नहीं करेंगे और एक अप्रैल से महारानी एलिजाबेथ द्वितीय का औपचारिक रूप से प्रतिनिधित्व नहीं करेंगे।

कोरोना का तांडव जारी, दुनियाभर में गईं 40 हजार से अधिक जानें

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) पेरिस। दुनियाभर में कोरोना वायरस से मरने वालों की संख्या मंगलवार को 40 हजार के पार चली गई जबकि 8 लाख से अधिक पॉजिटिव केस दर्ज किए गए हैं जिनमें अकेले 1.74 लाख मरीज अमेरिका में हैं। इन 40 हजार में अकेले 29,305 मौत यूरोप में हुई है जहां का इटली और स्पेन सबसे बड़ी मानवीय आपदा झेल रहा है। वहीं, एक ब्रिटिश स्टडी में दावा किया जा रहा है कि लॉकडाउन लगाने से यूरोप में 50 हजार से अधिक लोगों की जानें बच गई हैं। अमेरिका में कोरोना वायरस से मरने वालों की संख्या चीन से ज्यादा हो गई है। चीन ने आधिकारिक आकंड़ा जारी किया है जिसमें वहां अब तक 3309 लोगों की मौत हुई है जबकि अमेरिका में मरने वालों की संख्या 3,415 हो गई है। यह अमेरिका में पिछले 100 सालों में किसी आपदा में हुई मौत से सबसे अधिक है।

कोरोना संकट में फंसा अमेरिकी विमानवाहक पोत थियोडर रूजवेल्ट

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) अमेरिका। कोरोना संकट में फंसा अमेरिकी विमानवाहक पोत थियोडर रूजवेल्ट, कैप्टन बोले–निकालो नहीं तो मर जाएंगे सैनिकअमेरिका का एयरक्राफ्ट कैरियर थियोडोर रूजवेल्ट और उसमें फंसे 5,000 लोग बेबसी के बीच मदद की गुहार लगा रहे हैं। रूजवेल्ट प्रशांत महासागर में था जब नेवी में पहला कोरोना वायरस केस मिला। उसे गौम के पोर्ट पर लगा दिया गया और तब से उसमें कैद लोगों को अपना कल अंधेरे में नजर आ रहा है। दरअसल, इस कैरियर में कुछ ऐसे लोग भी हैं जो कोरोना पॉजिटिव पाए गए हैं और ऐसे में शिप के कैप्टन ने अपने सेलर्स की चिंता जाहिर करते हुए 4 पन्ने का खत लिखा है। शिप के कमांडिंग ऑफिसर कैप्टन ब्रेट क्रोजियर ने बताया है कि कैरियर में क्वारंटीन और आइसोलेशन की पर्याप्त सुविधाएं नहीं हैं।

अमेरिका को 1–2.4 लाख मौतों का डर, 30 दिन बढ़ाई गाइडलाइन्स

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) वॉशिंगटन। सुपरपावर अमेरिका इस वक्त कोरोना वायरस के सबसे बड़े हमले का सामना कर रहा है। दुनिया में सबसे ज्यादा कोरोना पॉजिटिव लोग अमेरिका में हैं और मरने वालों का आंकड़ा भी तेजी से बढ़ता जा रहा है। एक्सपर्ट्स का मानना है कि अभी दो हफ्ते के अंदर यह अपने चरम पर पहुंचेगा। ऐसे में अब तक काफी ढीला रवैया अपनाती रही देश की डोनाल्ड ट्रंप सरकार ने वायरस से बचाव के लिए करीब 15 दिन पहले जारी किए गाइडलाइन्स को 30 और दिनों के लिए बढ़ा दिया है।

सरकार को डर है कि इस खतरनाक वायरस की चपेट में आने से देश में 1 से 2.4 लाख लोगों की मौत हो सकती है। अभी तक इस त्रासदी से अमेरिका को महफूज साबित करने की कोशिश करते रहे ट्रंप ने साफ–साफ कहा है कि आने वाले दो हफ्तों में देश मुश्किल हालात से गुजरने वाला है। ट्रंप के बाद उनकी टास्क फोर्स के टॉप हेल्थ ऑफिसर डॉ. डेबोरा बर्क्स ने कहा कि गाइडलाइन्स का पालन करने के बाद भी 1,00,000–2,40,000 लोगों की मौत होने की आशंका बनी रहेगी।

अमेरिका में अब तक 188,578 लोग कोरोना पॉजिटिव पाए गए हैं जबकि 3,890 की मौत हो चुकी है।

चीन में कपल ने की शादी की लाइव–स्ट्रीमिंग

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) हांगझू। कोरोना वायरस के इन्फेक्शन के डर से लोगों को अपने प्लान बदलने पड़े। यहां तक कि शादियां भी टालनी पड़ गईं। लेकिन चीन के एक कपल ने इसे भी यादगार बना डाला। इस कपल ने सोशल मीडिया वीडियो शेयरिंग प्लेटफॉर्म पर अपनी शादी की लाइव–स्ट्रीमिंग की जिसके गवाह 30 लाख से ज्यादा लोग बने। देखते ही देखते यह शादी वायरल ट्रेंडिंग हो गई। चीन में अब तक 81,554 लोग कोरोना वायरस की चपेट में आ चुके हैं और 3,312 लोगों की मौत हो चुकी है। लियू वेंशाओ ने सुन हांझियो के साथ लाखों वेब यूजर्स के सामने शादी की।

पाकिस्तान में तबलीगी जमात के हरेक सदस्य को क्वारंटाइन करने का आदेश

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

हैदराबाद में तबलीगी जमात के 54 सदस्यों को कोरोना

कराची। पाकिस्तान में तबलीगी जमात के इज्तिमा में शामिल 27 लोगों के कोरोना पॉजिटिव पाए जाने के बाद दहशत का माहौल है। इस महासंकट से निपटने के लिए अब पाकिस्तान के सिंध प्रांत की सरकार ने तबलीगी जमात के हरेक सदस्य को ढूढ़–ढूढ़कर पकड़ने और उसे क्वारंटाइन करने का आदेश दिया है। इससे पहले मंगवार को पंजाब के रायविंड शहर को सील कर दिया गया था जो तबलीगी मरकज का केंद्र है।

तबलीगी जमात के हरेक सदस्य को तलाश करने और उन्हें क्वारंटाइन करने का यह आदेश के सिंध प्रांत के पुलिस महानिरीक्षक मुश्ताक अहमद मेहर ने दिया है। उन्होंने कहा कि धार्मिक आयोजना और तबलीगी जमात से जुड़े लोगों को पकड़ा जाए और उन्हें चाहे वे कहीं भी हों, क्वारंटाइन किया जाए। मुश्ताक ने यह आदेश ऐसे समय पर दिया है जब कहा गया जा रहा है कि सिंध प्रांत में बड़ी संख्या में तबलीगी जमात के लोग घूम रहे हैं।

मुश्ताक ने कहा कि जिन जगहों पर तबलीगी जमात के लोग रह रहे हैं, उसे क्वारंटाइन सेंटर बना दिया जाए। साथ ही यह भी कहा गया है कि जमात के लोगों को कहा जाए कि वे घरों से बाहर न निकलें। यह आदेश ऐसे समय पर आया है जब लाहौर के रायविंड सिटी को पूरी तरह से लॉकडाउन कर दिया गया है। इसी शहर में जमात के 27 सदस्यों को कोरोना पॉजिटिव पाया गया था। अभी भी इस शहर में जमात के 2200 लोग मौजूद हैं। अधिकारियों को यह भी निर्देश दिया गया है कि रायविंड शहर में तबलीगी जमात के संपर्क में जो लोग आए, उन्हें भी तलाश किया जाए। उधर, पाकिस्तान के हैदराबाद शहर में भी तबलीगी जमात के 200 में से 54 सदस्यों को कोरोना पॉजिटिव पाया गया था।

वुहान में कोरोना वायरस का खुलासा करने वाली डॉक्टर लापता

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) वुहान। दुनियाभर में महामारी का रुप ले चुके कोरोना वायरस से सबसे पहले अधिकारियों को अलर्ट करने वाली चीन के वुहान शहर की डॉक्टर एई फेन लापता हो गई हैं। ऐसी आशंका जताई जा रही है कि इस बीमारी के बारे में सार्वजनिक रूप से बयान देने के कारण उन्हें बंदी बनाया गया है। इससे पहले डॉक्टर एई ने एक मरीज की सार्स कोरोना वायरस की रिपोर्ट को सार्वजनिक कर दिया था।

इस रिपोर्ट के सार्वनिक करने के बाद वुहान सेंट्रल हॉस्पिटल के अधिकारियों ने डॉक्टर एई को धमकी दी थी कि उन्हें अप्रत्याशित और बेहद कठोर प्रताड़ना झेलनी होगी। डॉक्टर एई की रिपोर्ट को सोशल मीडिया पर काफी शेयर किया गया था। डॉक्टर एई कुछ उसी तरह से चर्चा का विषय बन गई थीं जैसे कोरोना वायरस का सबसे पहले खुलासा करने वाले डॉक्टर ली वेलिआंग थे। डॉक्टर ली को भी चीनी अधिकारियों ने चेतावनी दी है कि उन्हें अवैध रूप से गलत सूचना ऑनलाइन प्रसारित करने के लिए कठोर प्रताड़ना का सामना करना होगा।